सिद्ध क्षेत्र

श्री चम्पापुर जी

Shri Champapur Siddha Kshetra.

अर्घ

वासुपूज्य जिनकी छबी, अरुन वरन अविकार।
देहु सुमति विनती, करूं ध्याऊँ भवदधितार॥
वासुपूज्य जिन सिद्ध, भये चम्पापुर से जेह।
मन वचतन कर पूज हूं, शिखर सम्मेद यजेह॥

ॐ ह्रीं श्री चम्पापुर सिद्धक्षेत्र परवत सेती भादवा सुदी १४ श्री वासुपूज्य तीर्थंकरादि असंख्य मुनि मुक्ति पधारे, अनर्घ्यपदप्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा॥